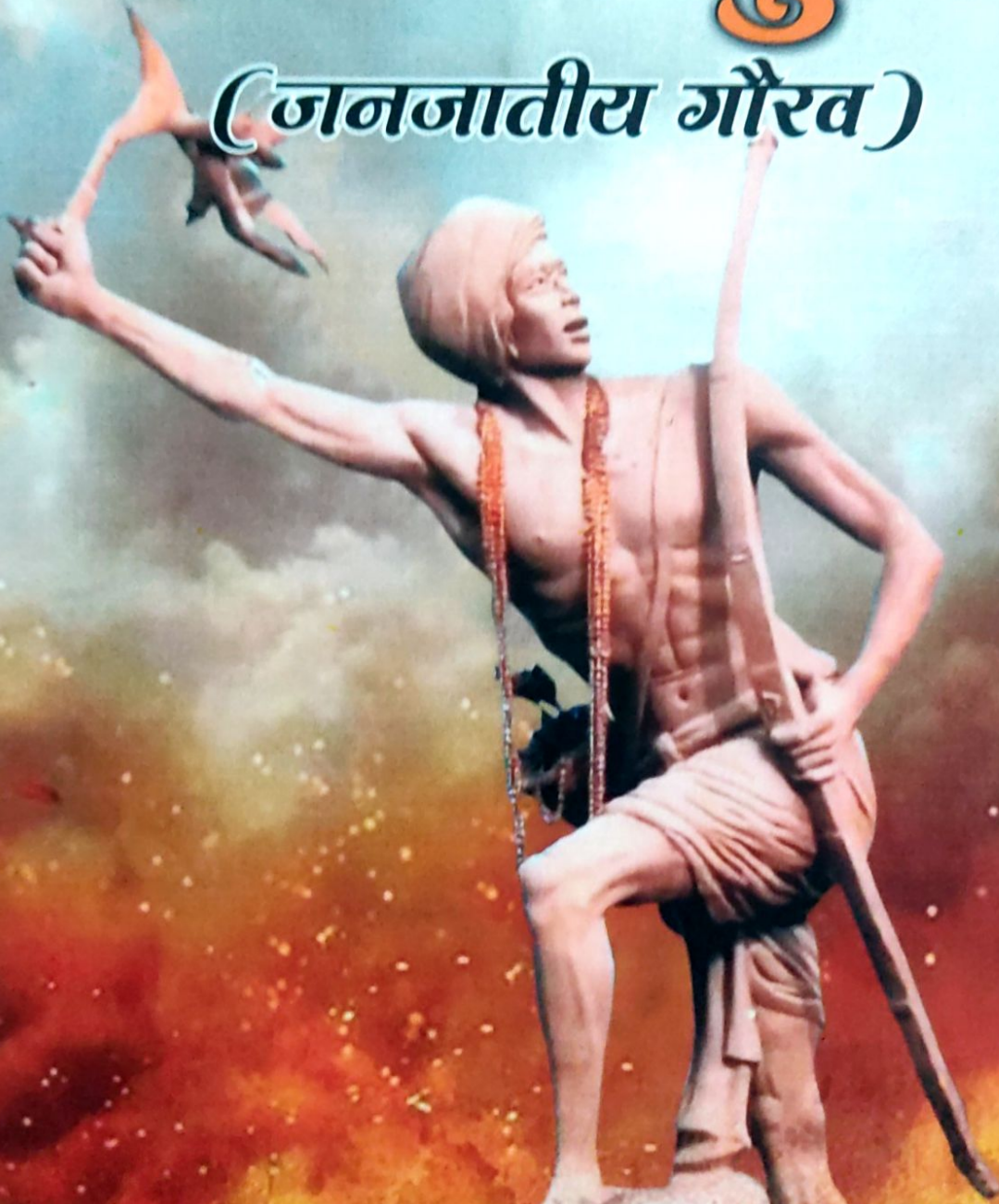


बिरसा मुंडा

(जनजातीय गौरव)



संपादक
आलोक कुमार चक्रवाल

बिरसा मुंडा (जनजातीय गौरव)

संपादक

प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल

कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

सह-संपादक

प्रो. शैलेन्द्र कुमार

कुलसचिव, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

संपादक-मंडल

प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र

विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. घनश्याम दुबे

सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. नीलकंठ पाणिग्राही

विभागाध्यक्ष
मानवशास्त्र एवं जनजातीय विकास विभाग,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. सुबल दास

सहायक प्राध्यापक
मानवशास्त्र एवं जनजातीय विकास विभाग,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

किताबवाले
दिल्ली-110002

अस्वीकरण

इस पुस्तक में लिखे और व्यक्त किए गए सभी विचार लेखकों के हैं, प्रकाशक किसी भी जानकारी की मौलिकता और पुस्तक में निहित सामग्री या पुस्तक में व्यक्त किए गए विचारों के लिए कोई जिम्मेदारी या दायित्व नहीं मानता है।

शीर्षक : बिरसा मुंडा (जनजातीय गौरव)

सम्पादक: प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल, प्रो. शैलेन्द्र कुमार

© सम्पादक एवं प्रकाशक

संस्करण : 2022

ISBN : 978-93-90702-70-1

प्रकाशक :

किताबवाले

22/4735, प्रकाश दीप बिल्डिंग,

अंसारी रोड, दरियागंज,

नई दिल्ली-110 002

मुद्रक :

इन-हाउस (सैल्फ)

नई दिल्ली-110 002

अनुक्रमणिका

संदेश	सुश्री अनुसुईया उइके (माननीया राज्यपाल, छ.ग.)	(iii)
संदेश	धर्मेन्द्र प्रधान (माननीय मंत्री, भारत सरकार)	(v)
संपादक की कलम से		(vii)
1.	Birsa : Making of The Dharti Aba Sanjay Kumar Sinha	1
2.	Bhagwan Birsa Munda: A Tribal Hero of Indian Adivasis Kunal Kashyap, Priyanka, Subal Das	10
3.	The Ulgulan for Jal, Jangal and Jamin Vipin Tirkey	14
4.	Birsa Munda and his Political Vision Sudarshan Singh	18
5.	The Legend of The Ulgulan Payal Singh	24
6.	Fir Se Kareu Ulgulan Re: An Analysis of Nagpuri Song Dedicated to Bhagwan Birsa Munda Sirista Julita Meenz, Balram Oraon	33
7.	जनजातीय चेतना के महानायक बिरसा मुंडा प्रवीन कुमार मिश्रा	37
8.	बिरसा मुंडा और उनका आंदोलन : इतिहास लेखन, प्रकृति और प्रसांगिकता रितेश्वर नाथ तिवारी	44
9.	आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा : एक अध्ययन शशिकांत पाण्डेय	52
10.	समकालीन संदर्भ में बिरसा मुंडा के चिन्तन की उपादेयता प्रमोद कुमार, संजय यादव	61

11. भारतीय प्रतिरोध का जननायक : अमर शहीद बिरसा मुण्डा 70
अतुल कुमार मिश्र, सीमा पाण्डेय
12. आदिवासियों के जननायक बिरसा मुंडा तथा उनका धर्म 78
अनिल कुमार ठाकुर
13. "बिरसाइत" धर्म के जीवन संस्कार संबंधित प्रथाएँ: एक मानवैसायनिक अध्ययन 86
शीला पुरती, अबु हुरैरा अंसारी
14. बिरसा मुंडा एवं राष्ट्रवाद 90
प्यारेलाल आदिले, मनहरण अनन्त
15. बिरसा मुण्डा का धार्मिक चिंतन और बिरसा धर्म 96
घनश्याम दुबे, गुलजार सिंह ठाकुर
16. समकालीन भारत में बिरसा मुण्डा और उनके जीवन दर्शन की प्रासंगिकता 101
बिजय प्रकाश शर्मा
17. औपनिवेशिक भारत में बिरसा मुंडा का संघर्ष 109
आशीष कुमार सिंह
18. मुंडा जनजाति में स्वजगारण का द्योतक उलगुलान का स्वरूप 115
अभिषेक कुमार तिवारी, घनश्याम दुबे
19. जनजातियों में स्वचेतना का जागरण : बिरसा मुंडा 122
सीमा पाण्डेय, गोविंद सिंह ठाकुर
20. बिरसा मुंडा : सामाजिक-धार्मिक आन्दोलन के क्रांतिदूत 127
घनश्याम दुबे, सचिन कुमार
21. औपनिवेशिक भारत में बिरसा मुंडा का संघर्ष 136
आचार्य प्रदीप शुक्ला, अमर नारायण
22. बिरसा मुंडा: दीकु, संघर्ष तथा स्वर्ण युग की संकल्पना 142
प्रदीप शुक्ला, परिवेश कुमार बर्मन
23. आदिवासियों के उत्थान का मसीहा बिरसा मुंडा 153
सीमा पाण्डेय, सुभाष कुमार
24. भारत के प्रतिरोध का इतिहास एवं बिरसा मुंडा 158
गणेश कोशले

औपनिवेशिक भारत में बिरसा मुंडा का संघर्ष

आचार्य प्रदीप शुक्ला*, अमर नारायण**

हिन्दुस्तान की भूमि पर ऐसे कई क्रांतिकारियों और आंदोलनकारियों ने जन्म लिया है जिन्होंने अपने बल पर अंग्रेजी हुकूमत को नाकों चने चबाने पर मजबूर कर दिया, ऐसे ही एक वीर थे बिरसा मुंडा। एक छोटी सी आवाज को नारा बनने में देर नहीं लगती बस दम उस आवाज को उठाने वाले में होना चाहिए और इसकी जीती जागती मिसाल थे बिरसा मुंडा। बिरसा मुंडा ने बिहार और झारखण्ड के विकास और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में अहम रोल निभाया अपने कार्यों और आंदोलन की वजह से आज भी बिरसा मुंडा जी को लोग भगवान की तरह पूजते हैं।

बिरसा मुंडा (Birsa Munda) का जन्म 15 नवम्बर 1875 में लिहतु गांव (Village-lihatu) जो रांची वर्तमान (झारखण्ड) में पड़ता है में एक गरीब किसान परिवार में हुआ था। बिरसा जी का जन्म मुंडा जनजाति में हुआ था। इनके पिता का नाम सुगना पुर्ती (मुंग) और माता का नाम करमी पुर्ती (मुंडाईन) था। प्रारंभिक शिक्षा साल्गा गांव में हुई आगे की पढ़ाई चाईबासा जी.ई.एल.चर्च (Chaibasa at Gossner Evangelical Lutheran mission English medium School) इंग्लिश मिडियम स्कूल से किया। बचपन से बिरसा मुंडा चंचल प्रवृत्ति के बालक थे, अंग्रेजों के बीच रहते हुए वह बड़े हुए थे और बचपन का अधिकतर समय उन्होंने अखाड़े में बितायो। इनका मन हमेशा अपने समाज की अंग्रेजी शासकों द्वारा की गयी बुरी दुर्दशा पर सोचते रहते थे। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ, धर्मान्तरण, शोषण और अन्याय के विरुद्ध सशस्त्र क्रांति का संचालन किया। मुंडा की गणना उन महान क्रांतिकारियों में की जाती है जिन्होंने आदिवासियों को संगठित करके अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष किया। अपनी जाति की दुर्दशा, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक अस्मिता को खतरे में देख युवावस्था में बिरसा मुंडा के मन में क्रांति की भावना जाग उठी थी, उन्होंने मन ही मन यह संकल्प लिया कि मुंडाओं का शासन वापस लाएंगे तथा अपने लोगों में जागृति पैदा करेंगे। बिरसा ने गांव-गांव घूमकर लोगों को अपना संकल्प बताया, उन्होंने 'अबुआ: दिशोमा रे अबुआ: राज' (हमारा देश में हमारा

* प्राध्यापक, इतिहास विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर

** शोधार्थी, इतिहास विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर